मध्यप्रदेश शासन

म.प्र. जैवप्रौद्योगिकी परिषद,भोपाल

मध्यप्रदेश शासन

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग

वार्षिक प्रशासनिक प्रतिवेदन

वर्ष 2015-16

मध्यप्रदेश शासन
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
वार्षिक प्रशासनिक प्रतिवेदन
वर्ष 2015-2016

विभाग	-	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
मंत्री	-	श्री भुपेन्द्र सिंह ठाकुर
सचिव	-	श्री मनीष रस्तोगी
उप सचिव	-	श्री जी. एस. खैरवार

विभाग के अधीन कार्यरत संस्थाओं के नाम

म.प्र. जैवप्रौद्योगिकी परिषद , भोपाल - एस. के. मण्डल
मुख्य कार्यपालन अधिकारी,

- :: अनुक्रमणिका ::-

भाग - एक	विवरण	पृ. क्रमांक
	म.प्र. जैवप्रौद्योगिकी परिषद , भोपाल	1 से 6

म.प्र. जैव प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल

1. **परिषद का गठन** -

म.प्र. जैव प्रौद्योगिकी परिषद का गठन म.प्र. सोसायटी अधिनियम-1973 के अंतर्गत पंजीकृत संस्था के रूप में जैव विविधता एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग के प्रशासकीय नियंत्रण में हुआ था। म.प्र. शासन राजपत्र में प्रकाशित असाधारण अधिसूचना क्र. 378 दिनांक 25.08.14 द्वारा जैव विविधता एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग का विलोपन कर म.प्र. जैव प्रौद्योगिकी परिषद का विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग में संविलियन किया गया। परिषद का पंजीकरण अक्टूबर, 2003 में हुआ। अमले की पदस्थिति के उपरांत जनवरी, 2007 से नियमित गतिविधियां प्रारंभ हो सकी।

2. **परिषद का सेटअप** -

म.प्र. शासन के आदेशानुसार परिषद के लिए निम्नानुसार स्वीकृत पदों को प्रतिनियुक्ति से भरने का निर्णय लिया गया :-

पदनाम	वेतनमान (पे-बैंड)	स्वीकृ पद	भरे पद	रिक्त पद
मुख्य कार्यपालन अधिकारी	67000-79000 (एचएजी)	1	1	-
जैव प्रौद्योगिकी सलाहकार	12000-375-16500	1	-	1
लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण यंत्री स्तर का अधिकारी	12000-375-16500	1	-	1
प्रबंधक (जैवप्रौद्योगिकी परियोजना)	10000-325-15200	1	-	1
प्रबंधक (जैवप्रौद्योगिकी शिक्षा)	10000-325-15200	1	-	1
प्रबंधक (जैवप्रौद्योगिकी अनुसंधान)	10000-325-15200	1	-	1
प्रबंधक (प्रशासन एवं वित्त)	10000-325-15200	1	1	-
सहायक प्रोग्रामर	5000-150-8000	1	-	1
लेखापाल-सह-कैशियर	4500-125-7000	1	-	1
कार्यालय सचिव	5500-175-9000	2	2	-
कार्यालय भृत्य	2500-55-2660-60-3200	2	2	-
वाहन चालक	3050-75-3950-80-4590	1	1	-
योग		14	07	07

*नोट - प्रबंधक के दो रिक्त पदों के विरूद्ध दो वरिष्ठ शोधकर्ता समेकित वेतन पर कार्यरत हैं।

निरंतर.....2

3. परिषद के संचालक मण्डल की संरचना -

माननीय मुख्यमंत्री, म.प्र. शासन	अध्यक्ष
माननीय मंत्री, म.प्र. शासन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग	उपाध्यक्ष
मुख्य सचिव, म.प्र. शासन, मंत्रालय, भोपाल	सदस्य
कृषि उत्पादन आयुक्त, म.प्र. शासन, मंत्रालय, भोपाल	सदस्य
प्रमुख सचिव, म.प्र. शासन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग	सदस्य
प्रमुख सचिव, म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग	सदस्य
प्रमुख सचिव, म.प्र. शासन, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग	सदस्य
प्रमुख सचिव, म.प्र. शासन, वित्त विभाग	सदस्य
परिषद की आमसभा द्वारा चयनित 4 ऐसे सदस्य जिन्होंने जैव प्रौद्योगिकी उद्योग, मानव संसाधन एवं सामाजिक अधोसंरचना विकसित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया हो।	सदस्य*
मुख्य कार्यपालन अधिकारी, म.प्र. जैव प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल	सदस्य सचिव

4. परिषद के संचालक मण्डल की बैठक -

परिषद के संचालक मण्डल की बैठक प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय बैठक क्रमश: दिनांक 05.01.06, 29.03.07 एवं 23.09.09 को सम्पन्न हुई।

5. परिषद के उद्देश्य एवं दायित्व -

राज्य में जैव प्रौद्योगिकी के विकास एवं संवर्धन हेतु आवश्यक समन्वय के उद्देश्य से परिषद की स्थापना की गई है। परिषद को राज्य की जैव प्रौद्योगिकी नीति के क्रियान्वयन का दायित्व भी सौंपा गया है। परिषद निम्न मुख्य उद्देश्य के साथ कार्यरत है :-

- जैव प्रौद्योगिकी आधारित उद्योगों एवं स्थानीय समुदायों के माध्यम से जैव प्रौद्योगिकी तकनीकों के प्रयोगों तथा शोध को प्रोत्साहन देने के लिये शासकीय विभागों/संस्थाओं को सहायता प्रदान करना।
- जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र में शिक्षा के विकास को प्रोत्साहित करना

6. परिषद में विभागीय पदोन्नतियाँ, विभागीय जांच, नियुक्तियाँ, स्थानांतरण एवं न्यायालयीन प्रकरणों की जानकारी -

परिषद के अनुमोदित सेटअप में अधिकारियों/कर्मचारियों के पदों को प्रतिनियुक्ति से भरने का प्रावधान है। अतः विभागीय पदोन्नति का प्रश्न उत्पन्न नहीं होता। परिषद में विभागीय जांच एवं स्थानांतरण के प्रकरण लंबित नहीं है। परिषद में प्रबधंक (जैव प्रौद्योगिकी शिक्षा) एवं प्रबंधक (जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान) के रिक्त पदों के विरूद्ध दो वरिष्ठ शोधकर्ताओं की संविदा नियुक्ति की गई है।

7. परिषद के लंबित न्यायालयीन प्रकरणों की स्थिति -

जीव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान हेतु शासन द्वारा आवंटित 85.55 एकड़ भूमि प्रकरण में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय द्वारा माननीय उच्च न्यायालय, जबलपुर में दायर प्रकरण क्र. W.P/13871/2007 में माननीय उच्च न्यायालय, जबलपुर द्वारा यथास्थिति बनाये रखने के आदेश दिये गये हैं तथा दिनांक 25.03.15 को बरकतउल्ला विश्वविद्यालय द्वारा दायर याचिका अंतिम सुनवाई हेतु माननीय उच्च न्यायालय, जबलपुर द्वारा स्वीकृत की गई है। कलेक्टर, भोपाल द्वारा दिनांक 24.02.07 को विश्वविद्यालय के आधिपत्य की भूमि हेतु प्रीमियम राशि रू 80,00,800/- निर्धारित करने के प्रकरण में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय द्वारा माननीय उच्च न्यायालय, जबलपुर में दायर रिटपिटीशन क्र. 3018/10 विचाराधीन है।

निरंतर....3

परिषद की उपलब्धियॉं

8. जैव प्रौद्योगिकी आधारित शोध परियोजनाएं -

परिषद की गतिविधियों में जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र में अनुसंधान परियोजनाओं का वित्तीय पोषण भी एक महत्वपूर्ण गतिविधि है। अब तक कुल 26 परियोजनायें स्वीकृत की गई हैं। 14 परियोजनायें पूर्ण हो चुकी है । शेष 12 परियोजनाओं, जिनमें 01 को वर्ष 2015 में स्वीकृति प्रदान की गई है। वर्ष 2015 में स्वीकृत नवीन परियोजना का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है:

परिषद द्वारा 01 नवीन शोध परियोजना स्वीकृत की गई जिसका विवरण निम्नानुसार हैं :– "Phenotypic studies and genetic characterization of weedy rice biotypes from Madhya Pradesh based on SSR markers", Principal Investigator : Dr. Meenal Rathore, Directorate of Weed Sciences Research, Jabalpur. परियोजना का उद्देश्य चावल की खेतीहर, जंगली एवं खरपतवार किस्मों का Germplasm तैयार करना तथा उनकी डी.एन.ए. फिंगर प्रिटिंग करना। चावल की खरपतवार किस्म की abiotic tolerance की screening करना।

9. जीव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान-

म.प्र. जैव प्रौद्योगिकी नीति, 2003 में उल्लेखित एक विश्वस्तरीय जीव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान की भोपाल मे स्थापना के परिप्रेक्ष्य में संस्थान हेतु कांसेप्ट डिज़ाइन तैयार किया गया एवं विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (DPR) तैयार करने के लिए कंसल्टेंट की नियुक्ति की गई। कंसल्टेंट द्वारा प्रस्तुत विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन परीक्षण उपरांत प्रोजेक्ट मानिटरिंग कमेटी एवं शासन द्वारा अनुमोदित किया गया। संस्थान की स्थापना NPPP-नॉट फॉर प्रॉफिट पी.पी.पी. मोड के अन्तर्गत की जाना है। भारत सरकार, मानव संसाधन मंत्रालय द्वारा जन निजी भागीदारी योजनान्तर्गत इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नालजी की स्थापना हेतु अनुमोदित मॉडल के अनुरूप ही जीव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान की स्थापना हेतु भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग से सहमति प्राप्त करने हेतु पत्र प्रेषित किया गया है। संस्थान की स्थापना हेतु भूमि आवंटन के संबंध में प्रकरण माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित है। संस्थान हेतु इंदौर/भोपाल में अन्यत्र उपयुक्त स्थल का चयन प्रचलन में है।

10. जैव प्रौद्योगिकी पार्क इंदौर-

मध्यप्रदेश जैवप्रौद्योगिकी नीति-2003 के निहित प्रावधानों के अनुसार मध्यप्रदेश में जैवप्रौद्योगिकी आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने के लिये इंदौर जिले की तहसील देपालपुर के ग्राम चीराखान में 73.546 हैक्टेयर भूमि पर जन-निजी भागीदारी (पी.पी.पी) अंतर्गत बायोटेक्नॉलजी पार्क विकसित करने की कार्यवाही की गई थी। इस परियोजना हेतु मेसर्स डेलाईट टच तोहमात्सु इंडिया प्रा. लिमिटेड, मुम्बई को ट्रांजेक्शन सलाहकार नियुक्त किया गया था। प्रस्तावित पार्क की फिजिबिलिटी रिपोर्ट एवं आर.एफ.क्यू का अनुमोदन भी राज्य शासन से प्राप्त किया गया था।

म.प्र. शासन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा उपरोक्त भूमि का आरक्षण अन्य प्रायोजन हेतु किये जाने के कारण वर्तमान में इस भूमि पर बायोटेक्नॉलजी पार्क स्थापित करने की कार्यवाही नहीं की जा सकती है। बायोटेक्नॉलजी पार्क विकसित करने हेतु आगामी कार्यवाही करने के लिए, अन्यत्र भूमि आवंटित करने की कार्यवाही प्रचलन में है।

निरंतर....4

11. लेखा परीक्षणों की स्थिति -

म.प्र. जैव प्रौद्योगिकी परिषद का वित्तीय वर्ष 2014-15 तक के लेखों का अंकेक्षण कार्य पूर्ण हो चुका है ।

12. प्रशिक्षण कार्यक्रम-

परिषद द्वारा जैवप्रौद्योगिकी में अध्यनरत स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को प्रदेश के विभिन्न उत्कृष्ट संस्थानों में अल्पकालिक प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। वर्ष 2015 में परिषद द्वारा 06 प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रायोजित किए गए जिनका विवरण तालिका में दर्शाया गया है।

तालिका - परिषद द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र	संस्था का नाम	प्रशिक्षण का विषय	संख्या
1	डायरेक्टरेट ऑफ वीड साइंस रिसर्च, जबलपुर	एग्रीकल्चर बायोटेक्नॉलजी	13
2	जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर	मोलिक्युलर एण्ड इम्युिनो मोलिकुलर डाईग्नोस्टिक टेक्नीक्स	25
3	देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर	एन्ज़ाइम्स एण्ड एन्ज़ाइम टेक्नॉलजी	27
4	भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर, भोपाल	मेडिकल बायोटेक्नॉलजी	31
5	मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भोपाल	बायोइंफॉमेर्टिक्स	29
6	बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल	बायोइन्फॉर्मेटिक्स	10
		कुल विद्यार्थियों का योग	135

उक्तानुसार प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों के 135 विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

13. एम.पी. बायोटेक्नॉलजी रिसर्च प्रमोशन फैलोशिप योजना - परिषद द्वारा जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र में उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करने की दृष्टि से डॉक्टरेट उपाधि हेतु शोधकार्य कर रहे शोधार्थियों के लिए "IMBIBE Award" (Imaging Biotechnology Based Encomium) योजना क्रियान्वित की गई थी। इस शोधवृत्ति योजना के अन्तर्गत प्रदेश के 04 विद्यार्थी लाभांवित हुए। इस वर्ष इस योजना को "एम.पी. बायोटेक्नॉलजी रिसर्च प्रमोशन फैलोशिप योजना" के रूप में पुनः संचालित किया जा रहा है। जिसके तहत मध्यप्रदेश के 10 विश्वविद्यालय के 10 शोधार्थियों को शोध कार्य करने हेतु शोधवृत्ति राशि निगर्मित की जाना प्रस्तावित है।

14. परिषद की अन्य उपलब्धियां एवं कार्य :-

14.1 बैंगलोर इंडिया बायो - म.प्र. जैव प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा बैंगलोर इंडिया बायो-2015 सम्मेलन में डेलीगेट्स के रूप में प्रतिभागिता की गई। इस सम्मेलन का आयोजन कर्नाटक शासन के सूचना प्रौद्योगिकी तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग तथा विज़न ग्रुप के सहयोग से बेंगलुरू में 9-11 फरवरी, 2015 की अवधि में संपन्न हुआ। बैंगलोर इंडिया बायो-2015 का सम्मेलन इस श्रंखला का 15वां सम्मेलन था जो कि "*Crystallizing India's Biotech future*" की थीम पर आधारित था। इस सम्मेलन में उक्त थीम पर आधारित महत्वपूर्ण विषयों पर तकनीकी सत्र एवं पेनल डिस्कशन आयोजित किये गये। इस अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में देश-विदेश से 350 से भी अधिक डेलीगेट्स तथा उद्योग जगत के कई कार्पोरेट्स ने भाग लिया था। सम्मेलन में विभिन्न प्रदेशों द्वारा जैवप्रौद्योगिकी संबंधित गतिविधियों की जानकारी प्रदान करने हेतु तथा उद्योगपतियों द्वारा अपने उत्पादों के प्रदर्शन हेतु स्टॉल लगाया गया। परिषद द्वारा इस सम्मेलन में प्रतिभागिता कर अन्य प्रदेशों में संचालित जैवप्रौद्योगिकी संबंधित गतिविधियों तथा विभिन्न जैवप्रौद्योगिकी उत्पादों से संबंधित जानकारी प्राप्त की गई।

14.2 भोपाल विज्ञान मेला - परिषद द्वारा भोपाल में म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (MPCOST) एवं विज्ञान भारती द्वारा आयोजित भोपाल विज्ञान मेला-2015 (दिनांक 20-23 फरवरी, 2015) में अपनी गतिविधियों को प्रदर्शित करने एवं उनका प्रचार-प्रसार करने हेतु प्रदर्शनी लगाई गई। इस आयोजन में छात्रों, शिक्षाविदों, उद्यमियों ने भाग लिया एवं परिषद की गतिविधियों को जानने में रूचि दिखाई।

निरंतर....5

14.3 सेमीनार का आयोजन - परिषद एवं अन्य संस्थानों के वित्तीय सहयोग से केरियर कॉलेज, भोपाल द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार "*Emerging Trends in Biological Science*" का आयोजन दिनांक 6-7 फरवरी, 2015 को किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में जैव प्रौद्योगिकी विषय के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना एवं वर्तमान में देश-विदेश में हो रहे बायोटेक्नॉलजी अनुसंधान एवं विकास की गतिविधियों से अवगत कराना था। इस आयोजन में प्रदेश के शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं एवं विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। परिषद द्वारा इस सम्मेलन में प्रतिभागिता कर अन्य प्रदेशों में संचालित जैवप्रौद्योगिकी संबंधित गतिविधियों तथा विभिन्न जैवप्रौद्योगिकी उत्पादों से संबंधित जानकारी प्राप्त की गई।

14.4 आकाशवाणी एवं दूरदर्शन वार्ता -

प्रदेश के जैव प्रौद्योगिकी के विद्यार्थियों एवं युवा वर्ग तथा जनसामान्य को जैव प्रौद्योगिकी विषय के विविध पहलुओं एवं जैव प्रौद्योगिकी परिषद से संबंधित गतिविधियों से अवगत कराने के उद्देश्य से परिषद द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम चलती रहे ज़िंदगी का प्रसारण आकाशवाणी के विविध भारती चैनल पर दिनांक 05.12.14 से 27.02.15 एवं 05.06.15 से 28.08.15 तक की अवधि में 26 वार्तायें प्रति शुक्रवार प्रायोजित की गईं।

14.4 परिषद् के प्रकाशन -

परिषद द्वारा अपनी गतिविधियों तथा जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र में होने वाली गतिविधियों की जानकारी प्रदान करने की दृष्टि से समय-समय पर ब्रोशर एवं न्यूज़ लेटर का प्रकाशन किया जा रहा है। इस वर्ष परिषद द्वारा माह सितंबर 15 में त्रैमासिक न्यूज़ लेटर "जैव प्रौद्योगिकी" का 11 वां अंक प्रकाशित किया गया।

14.5 अन्तर्महा वद्यालयीन जैव प्रौद्यो गकी प्रतिस्पर्धायें -

प्रदेश के विद्यार्थियों में जैव प्रौद्योगिकी विषय के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से परिषद द्वारा प्रतिवर्ष जैवप्रौद्योगिकी आधारित अन्तर्महाविद्यालयीन प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष यह प्रतिस्पर्धायें भोपाल, रीवा, जबलपुर, इंदौर एव सागर में माह फरवरी-मार्च, 2015 में आयोजित की गई। इन प्रतिस्पर्धाओं में क्विज, वाद-विवाद, निबंध लेखन, मॉडल मेकिंग तथा पोस्टर प्रजेंटेशन की प्रतियोगितायें आयोजित की गई जिनमें वृहद स्तर पर प्रतिभागियों ने भाग लेकर इन आयोजनों को सफल बनाया। विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। आयोजित की गई प्रतिस्पर्धाओं का विवरण नीचे तालिका में दशार्या गया है:-

क्र	शहर का नाम	आयोजक संस्थान	आयोजन तिथि
1	इंदौर	महाराजा रणजीत सिंह कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल साइंसेस, इंदौर	27,फरवरी, 2015
2	जबलपुर	रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर	30-31मार्च, 2015
3	रीवा	अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा	3-4 मार्च, 2015
4	सागर	डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर	25-26 मार्च, 2015
5	भोपाल	इंस्टीट्यूट फॉर एक्सेलेंस इन हायर एजुकेशन, भोपाल	20 एवं 25-26 मार्च, 2015

इन आयोजन में विभिन्न महाविद्यालयों के लगभग 854 विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता दर्ज की। जिसमें इंदौर में 220, जबलपुर में 90, भोपाल में 129, रीवा में 115, ग्वालियर में 150 तथा सागर में लगभग 150 स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने भाग लिया। इन इवेंट्स में विद्यार्थियों मे प्रतिभागिता हेतु अत्याधिक उत्साह एवं रूचि देखी गई। प्रतियोगिताओं के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। इन प्रतियोगिताओं के आयोजन हेतु परिषद द्वारा कुल रू 2.609 लाख की राशि निगर्मित की गई।

निरंतर....6

14.6 परिषद की वेबसाईट -

जैव प्रौद्योगिकी परिषद में जैव प्रौद्योगिकी के उन्नयन एवं प्रचार-प्रसार हेतु परिषद द्वारा किये जा रहे कार्यों को परिषद की वेबसाईट www.mpbiotech.nic.in के माध्यम से जन-मानस तक पहुंचाया जा रहा है। वेबसाईट पर जीव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बायोटेक पार्क, शोधवृत्ति योजना, परिषद द्वारा पोषित परियोजनाओं, त्रैमासिक न्यूजलेटर इत्यादि का विवरण उपलब्ध है।

15. वर्ष 2016-17 के लिये प्रस्तावित मुख्य गतिविधियॉं -

1. बायोटक पार्क की स्थापना हेतु अग्रिम कार्यवाही की जायेगी।
2. जीव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान की स्थापना हेतु अग्रिम कार्याही की जावेगी।
3. निम्नानुसार अन्य नियमित गतिविधियों का संचालन किया जायेगा :-
    - जैव प्रौद्योगिकी की शोध परियोजनाओं का वित्तीय पोषण।
    - जैव प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन।
    - शोधवृत्ति की योजना "एम.पी. बायोटेक्नॉलजी रिसर्च प्रमोशन फैलोशिप योजना" का क्रियान्वयन।
    - जैव प्रौद्योगिकी का प्रचार-प्रसार रेडियो/दूरदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से करना।
    - परिषद के त्रैमासिक न्यूज लेटर एवं ब्रोशर का प्रकाशन।
    - प्रदेश एवं देश में आयोजित होने वाले सेमीनार/प्रदर्शनी/कांफ्रेंसेस इत्यादि में परिषद की गतिविधियों का प्रदर्शन।
    - जैव प्रौद्योगिकी के प्रति विद्यार्थियों में जागरूकता एवं ज्ञानवर्धन के उद्देश्य से बायोटेक ईवेन्टस आयोजित किये जाना।

16. बजट प्रावधान एवं व्यय की स्थिति -

वर्ष 2015-16 के दौरान स्वीकृत बजट रू 194.42 लाख के प्रावधान के विरूद्ध दिनांक 31.12.15 तक परिषद को आवश्यक गतिविधियों के संचालन हेतु रू 45.50 लाख की राशि निगर्मित की गई।